देश के चुनावों में, देश की आवाज़

जल्दी ही हम भारत की अगली सरकार और अपने भविष्य का चुनाव करेंगे।

जहां राजनीतिक पार्टियां चुनाव जीतने के लिए हजारो करोड़ रुपए खर्च कर रही हैं वही हमारी यानी भारत के 140 करोड़ लोगों की, इन चुनावों के लिए क्या तैयारी है?

क्या हमने सोचा है कि हमें इन चुनावों से क्या चाहिए?
इन चुनावों में हम क्यू भाग लें?
और क्या देख कर अपना फैसला करें?

पिछले 70 सालों में, हमने या तो राजनीतिक पार्टियों की पैरवी की है या फिर राजनीतिक व्यवस्था में विश्वास न होने से चुनावों में भाग ही नहीं लिया। आजतक हमारा एजेंडा या तो राजनीतिक पार्टियों ने बनाया है या फिर मीडिया ने, लेकिन हमने कभी इन्हें अपनी आवाज़ में नहीं रखा।

आइये इस बार एक आम नागरिक के विचारो को अपनी आवाज़ में सामने रखते हैं। जैसे राजनीतिक दल अपनी जीत के लिए अभियान चलाते हैं, राजनीतिक उम्मीदवार अपनी जीत के लिए अभियान करते हैं तो क्यों ना भारत के नागरिक भी इस बार अपनी जीत के लिए अभियान करें?

ये घोषणापत्र और इससे जुड़ी वीडियो श्रृंखला इसी दिशा में भारत के नागरिकों की पहल है जिसमे 2024 लोकसभा चुनाव में भाग ले रह सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के सामने हम देश की 24 उम्मीदों को सामने रखेंगे।

आइए एक बेहतर भारत के लिए, देश के चुनावों में देश की आवाज़ उठाएं।

(For English Version) ➡ **https://naptymeindia.com**

नागरिकों के भारत के लिए लक्ष्य

हमारा लक्ष्य एक ऐसा देश बनना है जो विकसित हो, जिसके लोग समृद्ध हों, जो हर परिस्थिती में अपनी रक्षा कर सके, वैश्विक अर्थव्यवस्था में बड़ी भूमिका निभाता हो और दुनिया को बेहतर बनाने में अहम भूमिका अदा कर सकता हो।

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए हमें इन नौ क्षेत्रों में बेहतर काम करना होगा। अगर हम इन नौ पहलुओं पर कामयाब हो सके तो भारत आंतरिक स्तर पर खुशहाल और विकसित देश बनने के साथ-साथ एक विश्वसनीय वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनकर उभरेगा।

1. नागरिको के लिए बेहतर जीवन

आज हम एक लोकतंत्र हैं जिनमें लोगो को केंद्र में रख कर नीतियां बनाई जाती हैं। हम विकसित तभी होंगे जब एक आम आदमी का जीवन समृद्ध होगा। इसके लिए हमें शिक्षा, रोजगार, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा जैसे बहुत से क्षेत्रों में सुधार करना होगा

2. ताकतवर और आत्मनिर्भर रक्षा बल

हमें अपनी सुरक्षा में और भी सशक्त, स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनना होगा। ऐसी काबिलियत हासिल करनी होगी, जिससे ना सिर्फ हम अपने लोगों और क्षेत्र को सुरक्षित रख सकें, बल्कि जरूरत पड़ने पर उसके बहार भी अपने हितो की रक्षा कर सकें।

3. आर्थिक विकास

इतिहास में एक लंबे समय तक भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी और हमारा लक्ष्य उसी स्थान को दोबारा हासिल करना होना चाहिए। लेकिन इस बार सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ-साथ आय असमानता को घटाकर प्रति व्यक्ति आय को बेहतर बनाना होगा।

4. भारत की अखंडता और समान विकास

हमें चाहिए कि हम अपने पड़ोसी देशो के साथ क्षेत्रीय विवादों को हल करके अपनी क्षेत्रीय अखंडता को मजबूत करें। और दूसरा, हमारे राज्यों के बीच अंतर को कम करके सभी राज्यों में समान रूप से आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले।

5. पर्यावरण का संरक्षण

आज मानवीय गतिविधियाँ पर्यावरण को तेजी से बदल रही है। प्रदूषण से जुड़ी बीमारियों के कारण हर साल देश में लाखो लोग अपनी जान गवा देते हैं और करोड़ों लोगो की सेहत पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। हमारी संस्कृति में प्रकृति की बेहद खास जगह है, इसलिए हमें पर्यावरण का खास ख्याल रखना होगा।

6. अंतरिक्ष महाशक्ति

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आज एक अनोखा लाभ प्रदान करती है। और भविष्य में जिस देश के पास उन्नत अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी होगी वही दुनिया का नेतृत्व करेगा। इसलिए हमारा भविष्य में एक अंतरिक्ष शक्ति बनना जरूरी है ताकि हम भविष्य में एक जिम्मेदार अंतरिक्ष सुरक्षा नीति लागू करने की ताकत हासिल कर सकें।

7. नवाचार (इनोवेशन)

आज के दौर की बहुत सारी छोटी बड़ी टेक्नोलॉजी को हम भारत में इम्पोर्ट करते हैं। हमें इनोवेशन का ये ट्रेंड रिवर्स करना होगा और लक्ष्य बनाना होगा भविष्य की तकनीकों का आविष्कार भारत में हो और उन्हें हम दूसरे देशो में एक्सपोर्ट करें

8. वैश्विक संबंध

हम एक इंटरकनेक्टेड दुनिया में रहते हैं जहां दुनिया के किसी भी कोने में हो रही हलचल सभी देशो पर असर डालती है। हमें दुनिया भर में विश्वसनीय और भरोसेमंद रिश्ते बनाने होंगे ताकि हम नेतृत्व की भूमिका निभा सकें।

9. विविधता और बहुसंस्कृतिवाद

भारत एक अत्यंत विविधतापूर्ण देश है और बहुत सारी संस्कृतियों से जुड़ा हुआ है जो बताता है कि हमारे यहां संस्कृतियों को खत्म नहीं किया जाता, बल्कि उन्हें आपस में जोड़ा जाता है। हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विविधता हमारे लिए किसी विशेष शक्ति से कम नहीं जो रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ाने में मदद करेगी।

(For English Version) https://naptymeindia.com

नागरिको की चुनौतियाँ

हर 3 में से 1
व्यक्ति अल्पपोषित हैं

57%
महिलाओ को एनीमिया है

हर साल 303,000 माताएँ और 2.7 **लाख** नवजात शिशुओं की जन्म के समय मृत्यु हो जाती है (WHO)

77%
साक्षरता दर

शैक्षणिक चुनौतियाँ
उपलब्धता | गुणवत्ता

केवल 50% पुरुष और 41% महिलाओं ने 10 या अधिक वर्षों की स्कूली शिक्षा पूरी की है (NFHS 2019-21)

एक ही साल में(2021)

60 लाख
अपराध दर्ज

4 लाख +
महिलाओं के विरुद्ध अपराध

39K+
हत्या के मामले

4.5 करोड़ +
भारतीय न्यायालयों में लंबित मामले

3 लाख +
विचाराधीन जेल में बंद लोग

52%
श्रम शक्ति भागीदारी दर

150,000+
हर साल सड़क दुर्घटनाओं में मौतें

बेरोजगारी | आय असमानता | आवास | शिक्षा | सार्वजनिक परिवहन

कानूनी प्रभावशीलता | पुलिस की प्रभावशीलता | गरिमा और सुरक्षा | स्वास्थ्य सुविधाएं

नागरिको को क्या चाहिए?

भारत के 140 करोड़ लोग सरकार के साथ मिल कर भारत के विकास में भागीदार बनना चाहते हैं। जो तभी मुमकिन है जब हम ऐसी परिस्थितियाँ बनायें जिसमें सभी नागरिकों के पास समान अवसर हो, जिसमें कोई भी व्यक्ति किसी से छोटा या बड़ा ना हो और हर व्यक्ति अपनी मेहनत और काबिलियत के दम पर कामयाब हो सके। समान अवसर प्रदान करने के लिए भ्रष्टाचार, भेदभाव, अपराध, बेरोजगारी, अशिक्षा जैसी समस्याओ को ख़त्म कर वो सुविधाये उत्पन करनी होगी जिससे आम नागरिक प्रगति कर सके।

2024 के चुनावो लिए ये 24 उम्मीदें देश के नागरिकों की अपनी जरुरतों को देश की राजनीतिक व्यवस्था के सामने रखने की एक पहल है जो हम सभी के विकास में मददगार होगी।

(For English Version) ➡ **https://naptymeindia.com**

2024 के लिए देश के नागरिको की 24 उम्मीदें

1 “एक भारत” - कोई विभाजन या तुष्टिकरण नहीं

आज हर एक तर्कसंगत भारतीय की पहली अपेक्षा ऐसे भारत की है जिसमें धर्म, जाति, रंग, भाषा और किसी भी आधार पे न तो तुष्टीकरण या खुश करने की कोशिश हो और न ही किसी तरह का विभाजन हो। ऐसा करके ही हम देश की एकता और अपने विकास की राह की रक्षा कर सकेंगे। हम चाहते हैं कि भारत का हर नागरिक घर से निकलते हुए सुरक्षित महसुस करें और हर नागरिक के पास कामयाब होने के बराबर अवसर हों।

इसलिए सभी उम्मीदवार और पार्टियों से मांग है कि किसी भी स्तर पर समाज में किसी भी तरह का विभाजन और तुष्टिकरण को बढ़ावा न दिया जाए।

2 प्रत्येक उम्मीदवार अपनी योग्यता साबित करें

हमने अक्सर राजनीतिक उम्मीदों को अपने प्रतिद्वंदियों की खामियां गिनाते हुए देखा है, लेकिन सिर्फ इसके आधार पर हम आपका चुनाव करें? हमारे लिए ये मुमकिन नहीं हैइसलिए, सभी पार्टियों और उम्मीदवारों से भारत की मांग ये है कि वो खुद बताए कि इस पोजीशन के लिए उनकी योग्यता क्या है और उन्हें क्यों चुना जाए? वो अपनी शिक्षा, अनुभव, आपराधिक पृष्ठभूमि जैसे चीजे चुनावो से पहले शेयर करें ताकि लोग सूचित निर्णय ले सकें। एक नागरिक के नजरिए से हर उम्मीदवार एक निर्वाचन क्षेत्र के लिए वही मायने रखता है जैसे पूरे देश के लिए प्रधान मंत्री, इसलिए हर एक उम्मीदवार को अपनी योग्यता साबित करनी होगी और हर बार चुनाव लड़े वक्त साबित करना होगा।

3 मुफ्त की चीजों से हम पर दया न करें - अपना काम बेहतर ढंग से करें

अक्सर चुनावो में समाज के लग अलग वर्ग पर चुनाव जीतने के लिए दया भाव का प्रदर्शन किया जाता है, मुफ्त योजनाएं और "गारंटी" बांटी जाती है। लेकिन सरकार को हम सभी अपना विश्वास देते हैं, टैक्स के रूप में पैसे देते हैं उसके लिए काम करके मानव संसाधन देते हैं तो फिर दया भाव क्यों? ये हमारे जन प्रतिनिधियों का कर्तव्य है कि समाज को अलग-अलग वर्ग में ना बाटें और सभी की समस्याओं का समाधान निकालें।
हमें इस तराह के निम्न स्तर के अल्पकालिक लाभ नहीं चाहिए, बल्की हमारी मांग समस्याओं के दीर्घकालिक और स्थायी समाधान की है।

4 राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार मुक्त शासन

पॉलिटिकल फंडिंग और भ्रष्टाचार का पुराना रिश्ता है। अगर राजनीतिक फंडिंग के लिए राजनीतिक दल पारदर्शी नहीं होंगे तो फिर आम नागरिक कैसे विश्वास करेगा कि आप उनके हित के लिए ही काम करेंगे और ना की आपके चुनाव फंड करने वालों के लिए। हमारी उम्मीद राजनीतिक फंडिंग को पारदर्शी और राजनीतिक भ्रष्टाचार को पूरी तरह खत्म करने की है।

इसी के साथ राजनीति और अपराध को भी अलग किया जाए चुनाव प्रचार से लेकर सरकार का हिसा बनने तक कहीं भी आपराधिक तत्व की राजनीति से जुड़े हैं तो वह आम नागरिकों के विश्वास का अपमान है। एक बेहतर शासन के लिए राजनीति का भ्रष्टाचार और अपराध मुक्त होना बेहद ज़रूरी है।

5 राजनीतिक आचरण को बेहतर किया जाए

हमने अक्सर चुनाव प्रचार में देखा है कि सड़कें जाम कर दी जाती है, ट्रैफिक नियम जैसे मौजूद ही ना हो और आम नागरिकों को परेशान किया जाता है। ऐसा लगता है कि सारे नियम कानून सिर्फ आम नागरिक पे लागू होते हैं और राजनेताओ पे एक भी नहीं।

यदि हमारे राजनेता देश के नियम कानून की खुद ही परवा नहीं करते तो वो हमारे लिए बेहतर कानून कैसे बनाएंगे? हमारी उम्मीद है पार्टीयां अब लोगों की संवेदनाओं का ख्याल रखकर और देश के कानून के साथ चलकर प्रचार का तारिका अपनाएं।

(For English Version) ➡ **https://naptymeindia.com**

2024 के लिए देश के नागरिको की 24 उम्मीदें

6 सभी की गरिमा की रक्षा और नागरिको की सुरक्षा

ये सच है कि भारत में एक साधारण से दिखने वाले नागरिक को कहीं भी अपमानित कर दिया जाता है। हमें दूसरो का अपमान करने वाले इस रोग को अपने आप से अलग करना होगा और फिर से समाज के लोगो की गरिमा को स्थापित करना होगा जिसमें हर इंसान के साथ इंसानो जैसा व्यवहार हो जिसमें जाति, धर्म, शकल सूरत, काम या औधा देख कर किसी की गरिमा को चोट न पहुचायी जाये।

इसके अलावा, हमें हर साल लाखो की संख्या में हो रही आपराधिक वारदातों को कम करने के लिए समाज और सरकार के स्तर पर उपाय ढूंढ़ने होंगे। हमें चाहिए कि भारत के बच्चे, बुजुर्ग, महिलाएं अपने घर में और जब भी जिस वक्त भी घर से बाहर निकलें तब सुरक्षित महसूस करें। भारत के नागरिकों की मांग पुलिस और न्याय प्रणाली से जुड़ी खामियों को तेजी से दूर करने और एक आम नागरिक को सुरक्षित महसूस कराने की है।

7 भारत की कुपोषण की चुनौती का समाधान

आज भारत कुपोषण की दो तरफा मार झेल रहा है, एक तरफ एक बड़ी संख्या में लोगो को पूरा पोषण नहीं मिलता वही दूसरी तरफ मोटापा तेजी से देश भर में फैल रहा है। कामज़ोर पोषण की वजह से एक बड़ी आबादी गरीबी में फ़सी हुई है जिससे देश की स्वास्थ्य सुविधाएं, कार्यबल और अर्थव्यवस्था तीनो पे नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

हम जानते हैं कि पोषण को लेकर सरकारी योजनाएं और कार्यक्रम हैं, लेकिन हमारी मांग नीतियों को और कारगर बनाने और बेहतर तरीके से लागू करने की है ताकि देश के पोषण से जुड़ी चुनौतियों को तेजी से हल किया जा सके।

8 सस्ती और प्रभावी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली

एक तरफ भारत में आज दुर्घटनाएं, कुपोषण संबंधी और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, वही दूसरी तरफ पूरे देश में स्वास्थ्य प्रणाली और उनमें चिकित्सा विशेषज्ञों की कमी है। ऐसे में समय पर सही इलाज ना मिलना लाखो लोगो की मौत का कारण बन रहा है।

एक आम नागरिक उम्मीद करता है कि देश भर में एक विश्वसनीय और किफायती स्वास्थ्य प्रणाली हो जो उपचारात्मक और निवारक दोनो ही तरह की सेवाएं दे सके।

9 हमारी सड़कों को सुरक्षित बनाएं

सरकारी आंकड़ों के अनुसार हर साल सड़क हादसे में 150,000 (डेढ़ लाख) से ज्यादा लोगों की जान चली जाती है, जिसका सबसे बड़ा हिस्सा 15 से 29 साल के युवा हैं। सड़क हादसों के ज्यादातर मामलों में ना तो समय से एम्बुलेंस पहुंचती है, ना समय से इलाज मिलता है और ना ही हादसों के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होती है।

हर साल देश के लाखो लोगो की जान बचाने और करोडो लोगो को सड़क पर सुरक्षित महसूस करने के लिए सड़क सुरक्षा से जुड़े नियम, लोगो में उनकी जागरुकता, अच्छी सड़कें, विश्वसनीय एम्बुलेंस सेवा, और बेहतर अस्पतालों की उम्मीद आम नागरिक सरकार से करते हैं।

10 पर्यावरण की रक्षा

आज वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या में भारत दुनिया में सबसे आगे है, वही दूसरी तरफ पूरे देश में गंदगी भी एक बड़ी चुनौती है। प्रदूषण और गंदगी लाखो करोड़ों जिंदगियों पर नकारात्मक प्रभाव छोड़ रही है जो धीरे-धीरे आने वाले समय में एक बड़े स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है

भारत को पर्यावरण बचाने के लिए सक्रिय कदम, सख्त नियम और बड़े पैमाने पर शिक्षा की जरूरत है।

(For English Version) ➡ **https://naptymeindia.com**

2024 के लिए देश के नागरिको की 24 उम्मीदें

11 गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचार (इनोवेशन) के लिए बुनियादी ढांचा

हमारे देश में शिक्षा की पहुंच, गुणवत्ता और सामर्थ्य तीनो ही क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियाँ हैं। हमारी मांग देश के नागरिको और बेहतर शिक्षा के बीच के अवरोध को कम करने की है और देश भर में शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देने की है, जिसका फ़ायदा समाज का हर वर्ग समान रूप से उठा सके।

12 रोज़गार

रोज़गार से ही भारत के लोगो को बेहतर जीवन और देश को तरक्की मिलती है। लेकिन सभी को रोजगार मिल पाना देश के युवाओं के सामने एक बहुत बड़ी चुनौती है।

देश को नई नौकरियाँ उत्पन्न करने से लेकर, उसकी जानकारी उपलब्ध कराना और नियुक्ति समन्वय जैसे क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है। देश के नागरिक उम्मीद करते हैं कि देश की रोज़गार से जुड़ी चुनौतियों को गंभीरता से समझा जाए और उन्हें हल किया जाए।

13 उत्पीड़न मुक्त, सुरक्षित कार्यस्थल

पुरुष हो या महिलाएं, लंबे काम के घंटे, कार्य जीवन में संतुलन का न होगा, कम वेतन, उत्पीड़न जैसी चुनौतियां भारतीय कार्यस्थलों पर आम बात है जिसकी वजह से मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दे के मामले देश में तेजी से बढ़ रहे हैं। एक सर्वेक्षण के अनुसार 47% प्रोफेशनल ने कार्यस्थल पर तनाव को लेकर मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों का सबसे बड़ा कारण बताया है।

आज भारत का श्रम बल भागीदारी दर केवल 52% है, लेकिन महिलाओ का श्रम बल भागीदारी दर केवल 32% है। यदि हम अपने कार्यबल को बढ़ाना चाहते हैं तो पुरुष और महिलाएँ दोनों के लिए एक सुरक्षित कार्यस्थल बनने पर ज़ोर देना होगा। संगठित और असंगठित दोनों ही सेक्टरों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए बेहतर कार्य वातावरण बनाना एक आम नागरिक का फर्ज भी है और मांग भी।

14 योजनाबद्ध बुनियादी ढांचे का विकास

हमें विकास के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना होगा। हमें देश के हर राज्य, हर जिले में तेजी से बुनियादी ढांचे का निर्माण करना होगा, तेजी से सड़क, सार्वजनिक परिवहन, स्कूल, अस्पताल, वाणिज्यिक क्षेत्रों का निर्माण करना होगा ताकि भारत के सभी नागरिकों के पास बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य और कामयाब होने के साधन हों और सभी लोग आर्थिक विकास में हिस्सेदार बन सकें।

हमारी उम्मीद बेहतर ग्रामीण और शहरी नियोजन के साथ विकास की है जिससे इनका फ़ायदा सभी के पास संगठित और समान तरीके से पहुंच सके।

15 ग्रामीण अर्थव्यवस्था का निर्माण

भारत की आर्थिक वृद्धि में ग्रामीण क्षेत्रों को नजर अंदाज किया गया, जिससे लगातार एक बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार की तलाश में अपना घर, अपना गांव छोड़ कर शहर की और जाना पड़ता है जहां पाहुच हर उन्हें बहुत सी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

आज हमें ऐसी नीति चाहिए जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ऊपर उठाने का काम करे ताकि लोगों को प्रवासन की चुनौतियों से बचाया जा सके और उनके मूल निवास पर ही रोजगार के अवसर मिल सकें। इससे ना सिर्फ रोजगार,बल्की देश के पोषण और गरीबी से जुड़ी चुनौती भी हल होंगी।

(For English Version) ➡ https://naptymeindia.com

2024 के लिए देश के नागरिको की 24 उम्मीदें

16 आय असमानता को कम किया जाये

भारत के टॉप के 1% लोग देश की 33% संपत्ति के मालिक हैं, टॉप के 10% लोग देश की 65% संपत्ति के मालिक हैं लेकिन दूसरी तरफ देश के 50% लोग (जो 70 करोड़ से भी ज्यादा हैं) देश की सिर्फ 6% संपत्ति के मालिक हैं। इससे आप समझ सकते हैं कि हमारे यहां आय असमानता कितनी ज्यादा है।

हमारे किसान, कम वेतन पाने वाले मजदूर और उन सभी लोगों को जो कार्यबल में शामिल होना चाहते हैं, वे सभी सुविधाएं उपलबध करानी होंगी जिससे उनकी आय बढ़ कर आय असमानता को कम किया जा सके।

17 ग़लत सूचना (मिसिन्फर्मेशन) मिटाएँ

अगली उम्मीद मिसिन्फर्मेशन से जुड़ी है, मिसिन्फर्मेशन यानी विचारपूर्वक किसी को झूठी या गलत जानकारी देना ताकि उनसे किसी तरह का फायदा उठाया जा सके। इस तरह की कोशिशें अक्सर समाज में बंटवारा करने, लोगों की भावनाएं भड़काने या उन्हें गुमराह करने के लिए जाती हैं। ना जाने कितनी घटनाएं ऐसी भी हैं जिनमें मिसिन्फर्मेशन की वजह से बेकसूर लोगों को जान तक गवानी पड़ी है।

इस्से पहले की मिसिन्फर्मेशन समाज को तोड़ना शुरू कर दे, इसके खिलाफ मज़बूत कदम उठाने की देश के नागरिकों की मांग है।

18 धोखाधड़ी की रोकथाम और उपभोक्ता संरक्षण

आज भारत में शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसके पास मोबाइल फोन हो और उससे धोखाधड़ी की कोशिश ना की गई हो। इससे भी तकलीफ की बात ये है कि धोखाधड़ी होने पर आप कुछ भी नहीं कर सकते। कुछ ऐसी ही स्थिति उपभोक्ता धोखाधड़ी से जुड़े मामलो में भी है। इसलीये धोखाधड़ी को रोकना और उपभोक्ता संरक्षण भी आम नागरिकों की उम्मीदों में से एक है।

19 पार्टी और सरकार के बीच सीमा तय करें

एक सरकार और एक राजनीतिक पार्टी में फर्क है।

एक राजनीतिक पार्टी की अपनी विचारधारा हो सकती है उसके अपने कारण हो सकते हैं लेकिन उसका लक्ष्य चुनाव जीतकर सरकार बनाना है और दूसरी तरफ सरकार का लक्ष्य देश को चलाना है।

समस्या तब खड़ी होती है जब राजनीतिक पार्टी सरकारी व्यवस्था को देश हित से ज्यादा पार्टी हित में इस्तमाल करने लगती है, राष्ट्रीय नीति पार्टी हित को देख कर बनाई जाने लगती है, केंद्र-राज्य और राज्यो के बीच अपने रिश्तों और विकास कार्यों में पार्टी का हित बाधा बनने लगता है। देखते ही देखते पार्टी सरकार पर पूरी तरह हावी हो जाती है और सरकारी व्यवस्था को पार्टी की रक्षा करने के लिए इस्तमाल करने लगती है, जिससे सरकारी संस्थान अपनी स्वतंत्रता और विश्वसनीयता खो देते हैं।

पार्टी और सरकार के बीच एक मर्यादा तय की जाये जिस्से सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग ना हो सके और देश की शासन व्यवस्था मजबूत हो।

20 परिणाम आधारित राजनीति

भारत आज एक युवा देश है लेकिन हमेशा नहीं रहेगा इसलिए अगले 20 साल भारत के लिए बेहद जरूरी होने वाले हैं। आज विकास, शिक्षा और रोजगार जैसे मुद्दो पर सिर्फ उच्च स्तर पर बात करके काम नहीं चलेगा।

आज हममें केपीआई आधारित (परिणाम आधारित) राजनीति की जरूरत है। जिसमें सभी राजनीतिक दल और उम्मीदवार खुद बताएं कि आप क्या हासिल करना चाहते हैं, कितना हासिल करना चाहते हैं, कैसे हासिल करेंगे और आपके काम का सही मूल्यांकन क्या हो।

देश की राजनीति का विकास हो कर परिणाम आधारित बनने कि हम सब उम्मीद करते हैं।

(For English Version) ➡ **https://naptymeindia.com**

2024 के लिए देश के नागरिको की 24 उम्मीदें

21 प्रभावी नीति निर्माण एवं कार्यान्वयन

सरकार का काम लोगों की सुरक्षा और विकास के लिए सही पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम) बनाना है। और सरकारी नीतियां वो माध्यम हैं जो इकोसिस्टम को बना कर करोड़ों लोगो की जिंदगी बदल सकती हैं। लेकिन आम तौर पर देखा गया है कि हमारे पास नीति और योजनाएं तो हैं, फिर भी अंतिम उपयोगकर्ता, यानी वो व्यक्ति जिसके लिए नीति बनाई गई है, पर योजनाओं का वादे के मुताबिक असर नहीं पहुचता।

हमारे नीति निर्माताओं से यही उम्मीद है कि वे अपने और नीति उपयोगकर्ताओं के बीच की दूरी को कम करें, और नीति उपयोगकर्ताओं को केंद्र में रख कर उन्हें लागू करने की नीति बनाएं ताकि सभी को सही मायने में उनका लाभ मिल सके।

22 बेहतर सरकारी समन्वय और दक्षता

अगली उम्मीद सरकारी कामकाज की दक्षता और प्रभावशीलता बढ़ाने की है।

जिसमें केंद्र और राज्य सरकार के बीच समन्वय को बेहतर किया जाए, राज्य सरकारों के बीच बेहतर तालमेल हो, सरकारी विभागों के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाया जाए, उनका तेजी से आधुनिकीकरण करके परिचालन दक्षता को बेहतर किया जाए। जिससे अंतिम उपयोगकर्ता को सरकारी विभागों से तेजी से और बेहतर सेवाएं मिल सकें।

23 सार्वजनिक-सरकारी संचार में सुधार

सरकार नागरिकों से बनती है और नागरिकों के दिये संसाधनों के द्वारा नागरिको के लिए ही काम करती है। इसलिए भारत के लक्ष्य को तेजी से पाने के लिए, सरकार और नागरिकों के बीच संचार को और बेहतर बनाकर नागरिकों को देश के लक्ष्य से जोड़ा जाना जरूरी है। सरकारी नीति की जानकारी से लेकर नीति निर्माण में नागरिकों की भागीदारी जैसे सभी क्षेत्रों में संचार को बेहतर बनाना होगा। नागरिकों के सामने ख़ूबियाँ और खामियाँ, दोनों ही पहलुओ को इमानदारी से रखना होगा। सरकार को और बेहतर तरीके ईजाद करने होंगे, जिससे आम नागरिक की दिक्कतें और सुझाव सरकार तक पहुंच सके।

24 भारत के अपने विकास मॉडल का आविष्कार

भारत और भारत के लोग अपने इतिहास, संस्कृति, मूल्यों और अपने विश्व दृष्टिकोण में उन सभी पश्चिमी देशों से अलग हैं जिनके विकास मॉडल हम लागू करने की कोशिश करते हैं। बुनियाद तौर पर हमारी सोसायटी उस तरह से फंक्शन ही नहीं करती जैसे वेस्टर्न सोसायटीज करती है।

इसिलिये पश्चिमी विकास मॉडल भारत में पूरी तरह से कामयाब भी नहीं है, क्योंकि वो हमारी शक्तियों का उपयोग नहीं कर पाते। जहां पश्चिमी समाज का स्वभाव व्यक्तिवादी है हमारा समाज समुदाय उन्मुख है, और हमारी सामुदायिक वृत्ति ही वजह है कि संकट में हम दूसरो से बेहतर प्रदर्शन करते हैं। हममें गजब का दृढ़ संकल्प है, हमारे लोग कड़ी मेहनत करते हैं, हममें सीखने की क्षमता है, अनुकूलनीय और सहयोगात्मक होने के साथ-साथ बहुत सी ताकतें हैं जिनसे भारत की प्रगति संभव है। आज हमारी चुनौतियाँ और महत्वाकांक्षाएँ दोनों ही बड़ी हैं, हमें बस हमारी ताकत का सही इस्तेमाल करना होगा।

हमें उम्मीद है कि भारत की ताकतों को ध्यान में रख कर भारत के अपने विकास मॉडल तैयार किये जायेंगे।

देश के चुनावों में, देश की आवाज़

यूट्यूब पर पूरी वीडियो सीरीज़ देखें

(For English Version) **https://naptymeindia.com/**